प्रैस नोट

अग्निशमन सेवा सप्ताह देश भर में प्रति वर्ष 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक मनाया जाता है। इस वर्ष का विषय/प्रसंग है:-

"अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करें, राष्ट्रीय निर्माण में योगदान दें

इस अग्निशमन सेवा सप्ताह का शुभारंभ माननीय उपायुक्त महोदय, जिला शिमला श्री अनुपम कश्यप जी के कर कमलों द्वारा शहिदों को श्रद्धांजलि देकर व द्वीप प्रज्जवलित करके किया गया, मौके पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी, श्री संजीव कुमार, स्थानीय अग्निशमन अधिकारी, श्री मनसा राम, उप अग्निशमन अधिकारी श्री भगत राम,उप अग्निशमन अधिकारी श्री गोपाल दास, उप-अग्निशमन अधिकारी श्री मनसा राम,उप अग्निशमन अधिकारी श्री सत्य प्रकाश तथा उप अग्निशमन अधिकारी श्री जगदीश राज के अलावा शिमला शहर मे स्थापित अग्निशमन केन्द्रो के कर्मचारी भी इस मौके पर उपस्थित रहे।

अग्निशमन सेवा सप्ताह के दौरान प्राथमिक अग्निशमन उपकरणों का चलाने तथा अग्नि से सुरक्षा व बचाव इत्यादि से सम्बन्धित जानकारी बारे सार्वजनिक स्थलो, औद्योगिक क्षेत्रों,शैक्षिक संस्थानों, सरकारी/गैर सरकारी कार्यालयों तथा स्थानीय निकायों इत्यादि में जागरूकता पैदा करने के लिए प्रदर्शन एव प्रशिक्षण इत्यादि आयोजित किये जाएगें।

अग्निशमन सेवा सप्ताह प्रति वर्ष 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक देश भर में,14 अप्रैल 1944 को मुम्बई में लोगों की जान व माल की रक्षा करते हुऐ 66 अग्निशमन कर्मी गौरवमयी मौत को प्राप्त हुए शहीदो को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के उपलक्ष मे मनाया जाता है।

14 अप्रैल 1944 को मुम्बई की विक्टोरिया डॉक पर मालवाहक समुद्री जहाज खड़ा था। जिसमें सांय 4:40 मिनट पर हुए भंयकर विस्फाटों की गर्जना से पूरा मुम्बई शहर हिल गया था। इस जहाज में लगभग 1200 टन विस्फोटक, रूई की गाठें, तेल के ड्रमों के अलावा खाद्यान व अन्य सामान लदा हुआ था। विस्फोटों की तीव्रता इतनी भंयकर थी, कि आग मुम्बई शहर के चारों तरफ फैल चुकी थी व आग की लपटों को मीलो दूर से देखा जा सकता था। समीपवर्ती मार्ग, इमारतें, रेलवे ट्रैक, विद्युत केन्द्र इत्यादि विध्वंस हो चुके थे। आग की लपटों से शहर को खतरा हो गया था और दूसरे दिन 15 अप्रैल को तत्कालीन सतासीन प्राधिकारियों द्वारा शहर के मध्य भाग में डायनामाईट द्वारा फायर लेन बनाने का आदेश भी दिया गया था, ताकि कम से कम आधे शहर को बचाया जा सके । किन्तु फायर ऑफिसर नोरमन कूमज जिन्हें अपने बहादुर जवानों पर पूरा भरोसा था, ने यह जानते हुए भी कि इस कार्य में फायर फाईटरों की जान का नुकसान हो सकता है, को

Scanned with OKEN Scanner

मानने से इनकार कर दिया व अपने कार्य को अंजाम देने में आडिग रहे। यह आग सौ एकड़ से भी ज्यादा क्षेत्र में फैल चुकी थी। जिसे नियन्त्रण करने के लिए कई सप्ताह का समय लगा, जबकि खाद्यान और रूई की गाठों से कई महीनों तक सुलगते रहने के कारण धुंआ निकलता रहा। आखिरकार अग्निशमन कर्मी अपने अभियान में सफल रहे और मुम्बई शहर को बचा लिया गया।

किन्तु अफसोस है कि इस विनाशकारी अग्नि दुर्घटना मे हजारों लोगों की जाने चली गई । आज तक इस का सही आँकड़ा प्राप्त नही हुआ है। हां, इस अग्नि दुर्घटना में फंसे जहाज कर्मी, सरकारी कर्मचारी व अधिकारियों का ब्यौरा निम्न प्रकार से है:-

संस्था	मृत अथवा लापता	घायल
मुम्बई पोर्ट ट्रस्ट	84	आकंड़े प्राप्त नही
जहाज मे सवार कर्मी	41	123
सेना	15	30
जल सेना	07	160
मुम्बई पुलिस	14	55
अन्य	04	25

165

इनके अलावा लोगों की जान व माल की रक्षा करते हुए 66 अग्निशमन कर्मी गौरवमयी मौत को प्राप्त कर शहीद हुए तथा 83 अग्निशमन कर्मी घायल हुए। इन अग्निशमन कर्मियों की कुर्बानी को देखते हुए मुम्बई अग्निशमन मुख्यालय बायकुला में शहीदो को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए एक स्मृति स्तम्भ का निमार्ण करवाया है। इस दिवस को प्रदेश के साथ साथ पूरे भारत वर्ष मे 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक अग्निशमन सप्ताह के रूप मे मनाया जाता है।

अग्निशमन कर्मियों की कुर्बानियों से हिमाचल प्रदेश भी अछूता नही रहा है जून माह वर्ष 2009 मे, मैसर्ज एडवॉन्टिक उद्योग, नालागढ, जिला सोलन में हुए भीषण अग्निकाण्ड में 9 व्यक्तियों की मृत्यु हुई, जिसमें 02 अग्निशमन सेवा विभाग के कर्मियों की शहादत भी शामिल है।

इस वर्ष अग्निशमन सप्ताह **"अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करें, राष्ट्रीय निर्माण में योगदान दें"** संकल्प के साथ मनाया जा रहा है। प्रदेश के सभी जिलों के अग्निशमन सप्ताह के दौरान हिमाचल प्रदेश अग्निशमन विभाग के समस्त अग्निशमन ईकाईयों मे तैनात अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा विभिन्न सार्वजनिक स्थलो, औद्योगिक क्षेत्रों,शैक्षिक संस्थानों, सरकारी/गैर सरकारी कार्यालयों तथा स्थानीय निकायों इत्यादि में अग्निसुरक्षा से सम्बन्धित जानकारी देगें, ताकि अग्नि दुर्घटना से होने वाले जान व माल के नुकसान को कम किया जा सके।

Scanned with OKEN Scanner